

SIDDHARTH UNIVERSITY KAPILVASTU
SIDDHARTH NAGAR
UTTAR PRADESH 272202



WOMEN STUDY CENTRE

PROGRAMMES ORGANIZED IN ADOPTED
VILLAGES

2024

INSPIRATION AND GUIDANCE

BY



SMT. ANANDIBEN PATEL

HON'BLE GOVERNOR, UTTAR PRADESH AND
CHANCELLOR

PATRON

PROF. KAVITA SHAH
HON'BLE VICE CHANCELLOR

REGISTRAR
DR.AMRENDRA SINGH

FINANCE OFFICER
SHRI.AJAY KUMAR SONKAR

WOMEN STUDY CENTRE
PROF. NEETA YADAV
COORDINATOR

MEMBERS
DR.SUNITA TRIPATHI
DR.RENU TRIPATHI
DR.MANISHA BAJPEYI
DR.SARITA SINGH
DR.VANDANA GUPTA
DR.ABHA DWIVEDI
DR.JAYSINGH YADAV
DR.AVINSH PRATAP SINGH

VOLUNTEER MEMBERS
DR.MAYANK KUSHWAHA
DR.ABDUL HAFIZ
MR.SATISH JAISWAL, MR.SUYASH SRIVASTAVA



SIDDHARTH UNIVERSITY KAPILVASTU

SIDDHARTH UNIVERSITY IS SITUATED IN THE AUSPICIOUS LAND OF GAUTAM BUDDHA. THE AREA IS WELL KNOWN IN THE HISTORY AS THE PALATIAL TOWN OF SUDDODHANA, FATHER OF LORD BUDDHA. PRINCE SIDDHARTH SPENT HIS TWENTY NINE YEARS IN THIS REGION OF KAPILVASTU. HE WAS REVERED BY HIS FELLOWMEN AND ALL THE BUDDHIST SANGHA AND ORDERS SINCE REMOTE ANTIQUITY. WE ARE BLESSED TO BE IN THE LAND OF BUDDHA, THE GREAT TEACHER.

WOMEN STUDY CENTRE

THE WOMEN STUDY CENTRE WAS ESTABLISHED BY THE INSPIRATION AND ORDERS OF HON'BLE CHANCELLOR MADAM ANANDIBEN PATEL JI IN 2021. THE MOTIVE BEHIND THE OPENING OF WOMEN STUDY CENTRE IS TO GIVE PROPER RECOGNITION TO WOMEN IN EACH AND EVERY FIELD. THEY MUST BE TREATED WITH EQUAL OPPORTUNITY AND EMPHASIS IS TO BE LAID ON WOMEN EDUCATION, HEALTH, DIGNITY, ECONOMIC INDEPENDENCY AND ACTION MUST BE TAKEN BY WOMEN STUDY CENTER IN THE FORM OF ORGANIZING EVENTS AND PROGRAMMES FOR IMPROVING THE SOCIAL AND MENTAL HEALTH OF WOMEN

WITH THE GUIDANCE OF CHANCELLOR MADAM VARIOUS PROGRAMMES WERE ORGANIZED AT PRIMARY SCHOOLS SITUATED IN THE VILLAGES ALREADY ADOPTED BY UNIVERSITY.

EARLY MORNING CHILDREN GOING TO SCHOOL



IN A VERY SHORT SPAN OF TIME THE PROGRAMMES WERE ORGANIZED AT PRIMARY AND MIDDLE SCHOOLS IN THE VILLAGES ADOPTED BY SIDDHARTH UNIVERSITY KAPILVASTU.

THE TEAM OF TEACHERS WENT TO SCHOOLS AND DESCRIBED ABOUT THE PROGRAMMES TO BE ORGANIZED. THESE PROGRAMMES WERE —

1. POSTER/PAINING COMPETITION
2. STORY WRITING COMPETITION
3. SPEECH COMPETITION



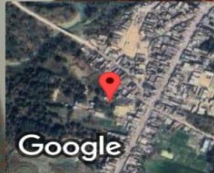
DULHA SUMALI – PURV MADHYAMIK VIDYALAYA KAKRAHWA





STUDENTS AFTER THE EVENT

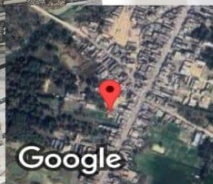




Kakrahwa, Uttar Pradesh, India
 C667+CRP, Kakrahwa, Uttar Pradesh, India
 Lat 27.410378°
 Long 83.214385°
 26/09/24 11:00 AM GMT +05:30

GPS Map Camera

SPEECH COMPETITION



Siddharthnagar, Uttar Pradesh, India
 C658+W2F, Kakrahwa Rd, Uttar Pradesh 272206, India
 Lat 27.409946°
 Long 83.21458°
 26/09/24 10:51 AM GMT +05:30

GPS Map Camera

MEETING WITH FACULTY AND STAFF



AFTER THE EVENT



HAPPY CHILDREN



UNDERSTANDING THE EVENTS

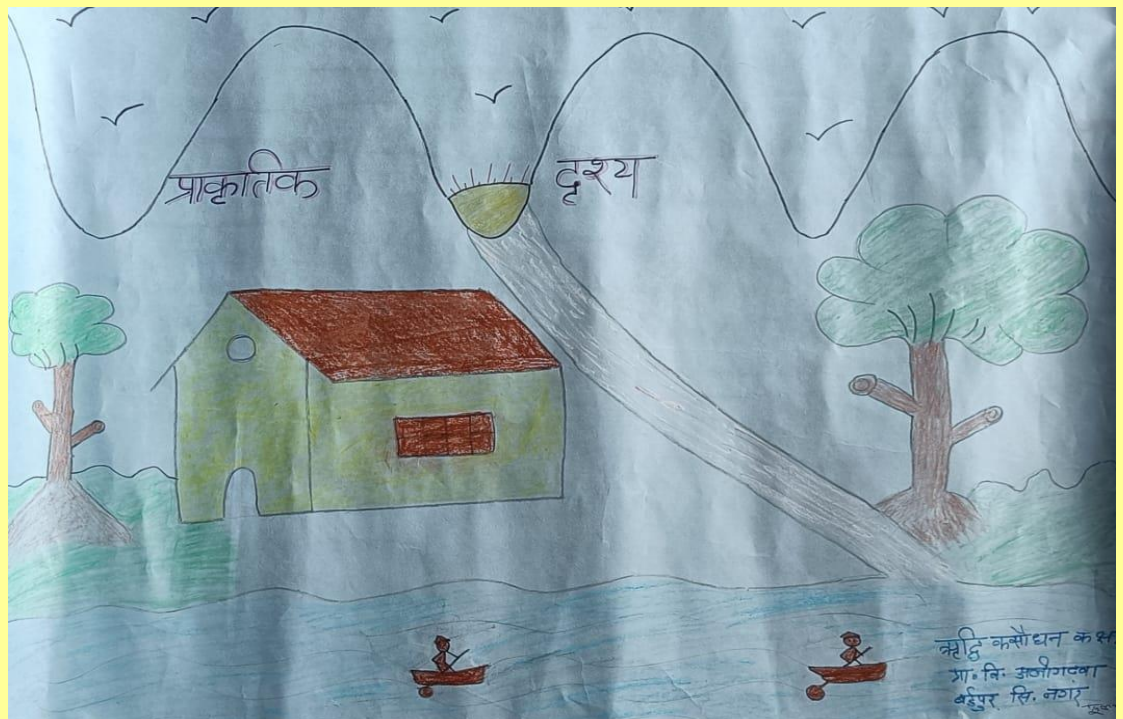


GOING FOR PAINTING COMPETITION

POSTER MAKING AND PAINTING COMPETITION



ARCHANA KASAUDHAN- CLASS V, PRIMAR SCHOOL BIRDPUR



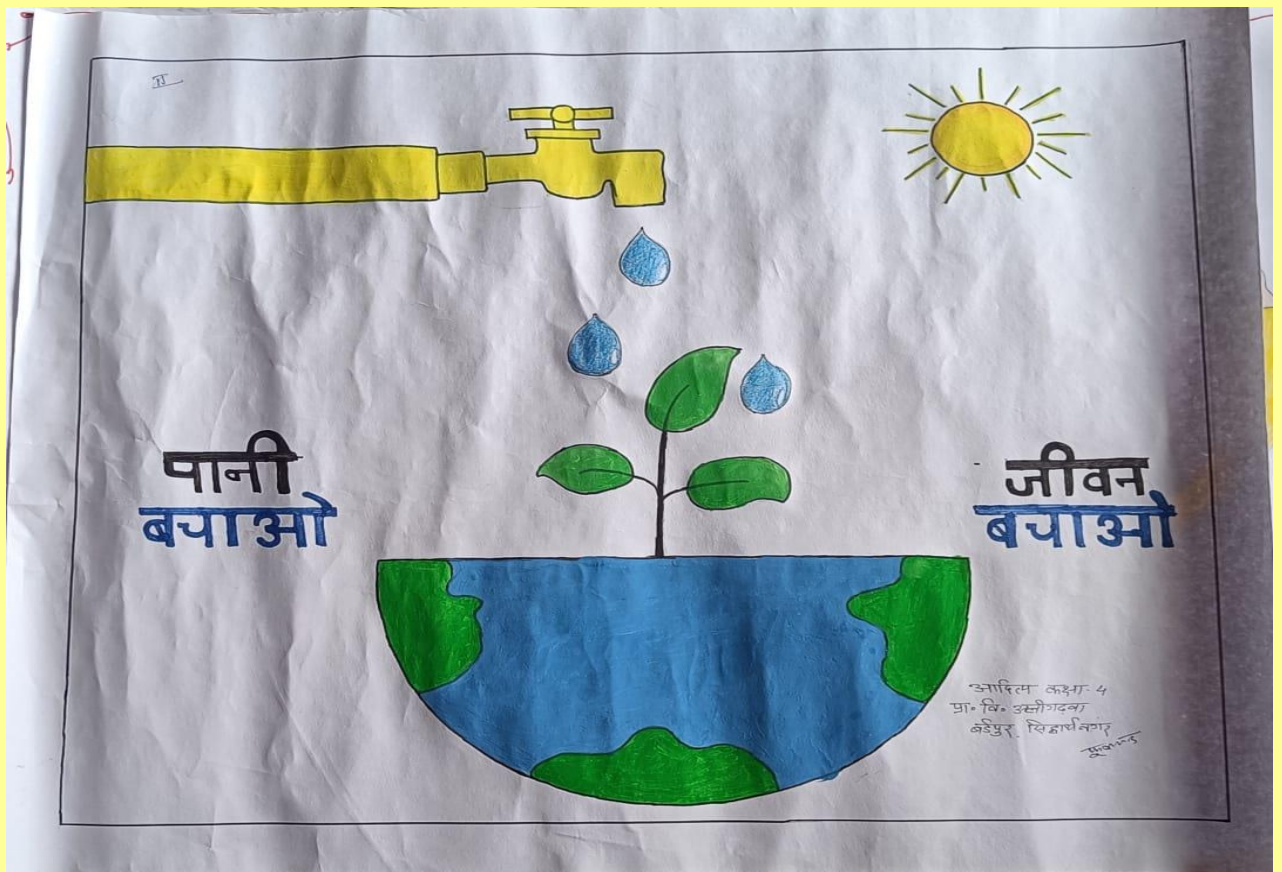
RIDDHI KASUDHAN- CLASS IV, PRIMARY SCHOOL ALIGADWA



SANJAY CHAUHAN – CLASS IV , PRIMARY SCHOOL ALIGADWA



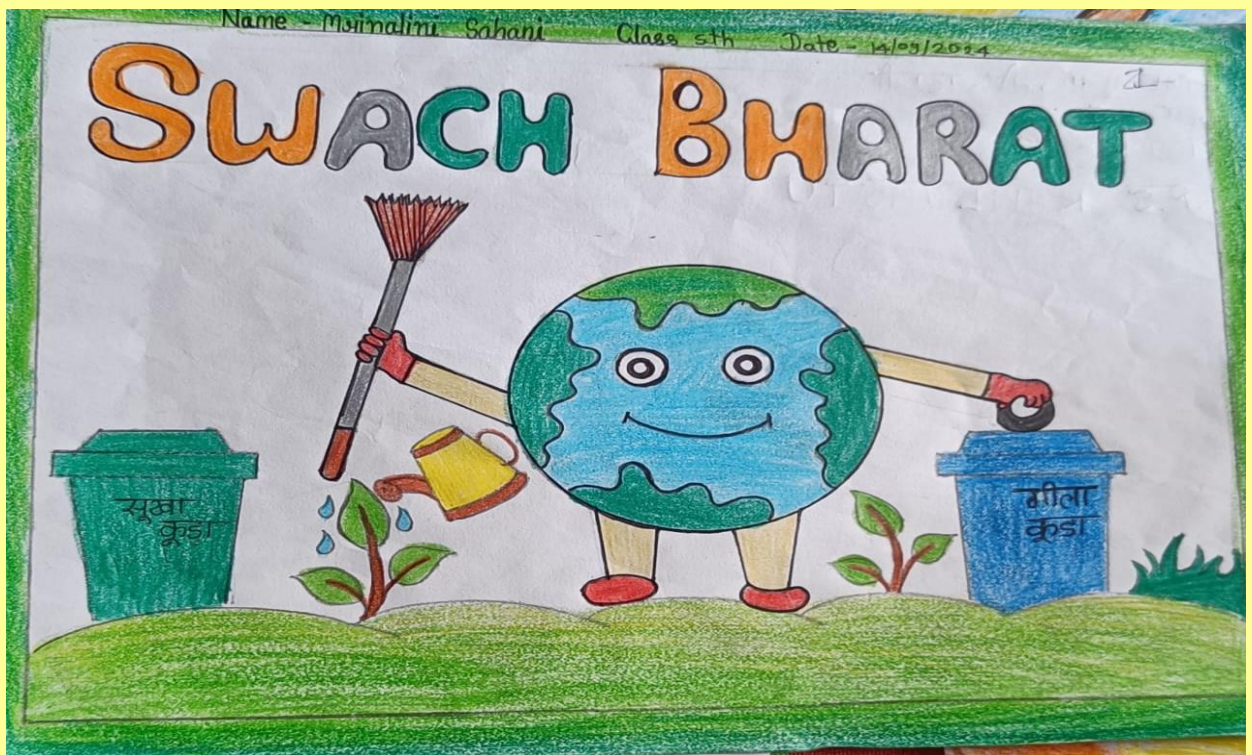
NANDINI KASUDHAN- CLASS IV, ALIGADWA, PRIMARY SCHOOL



ADITYA = CLASS IV, PRIMARY SCHOOL ALIGADWA



SALONI SAHANI- CLASS V, PRIMARY SCHOOL, KAPILVASTU



MRINALINI SAHANI – CLASS-V, PRIMARY SCHOOL KAPILVASTU



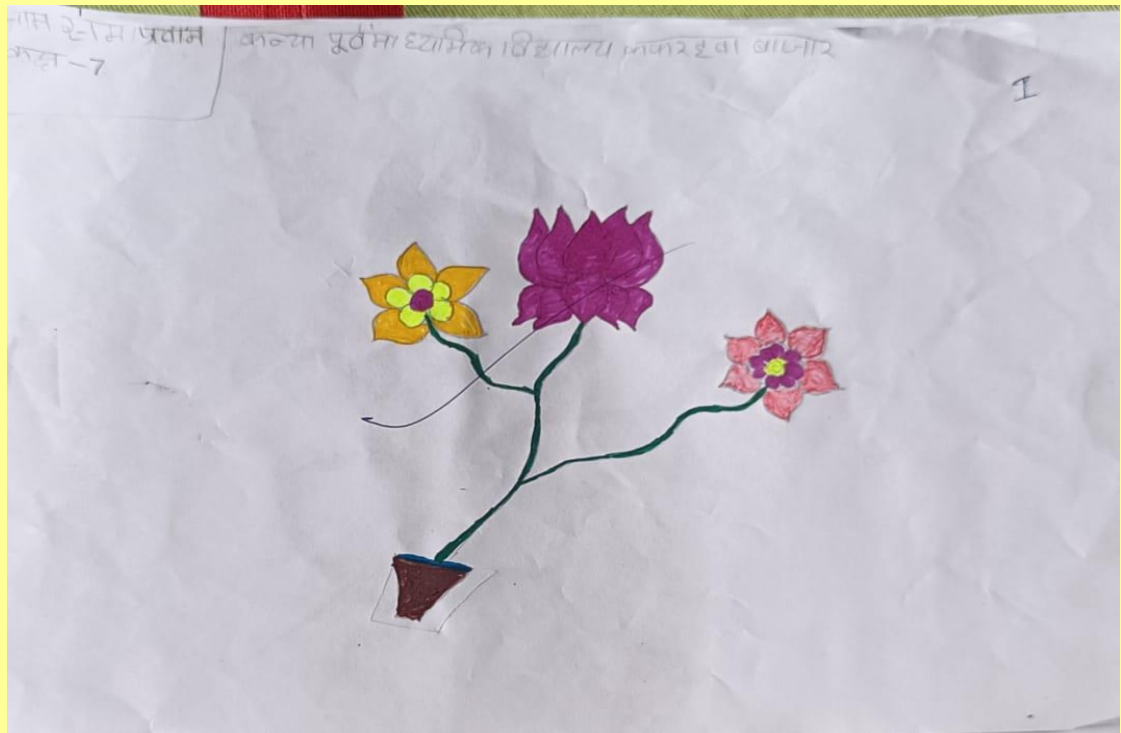
NANDINI KANNAUJIA- CLASS IV, PRIMARY SCHOOL KAPILVASTU



MRINALINI SAHANI- CLASS V, PRIMARY SCHOOL KAPILVASTU



SALONI SAHANI- CLASS V, PRIMARY SCHOOL KAPILVASTU



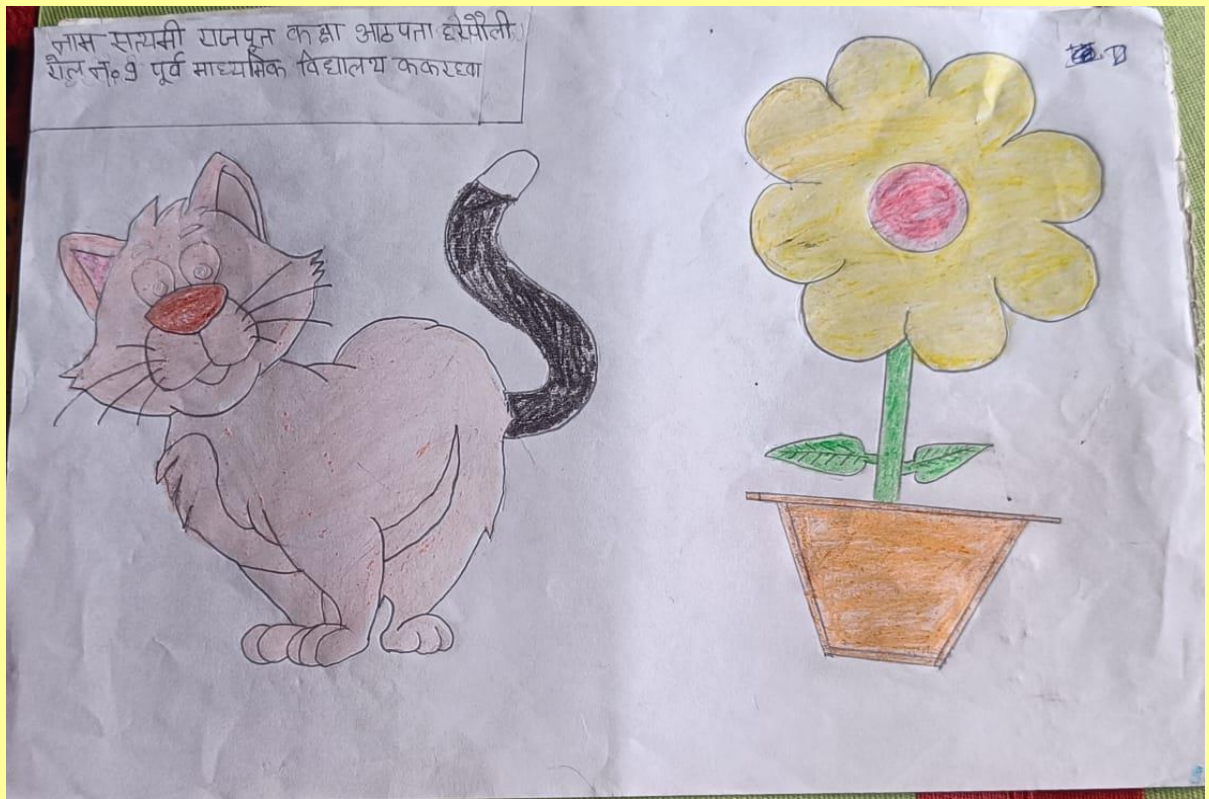
SAMA PARVEEN- CLASS VII, PURV MADHYAMIK VIDYALAYA, KAKRAHWA



SHUBHAM- CLASS VII, KAKRAHWA



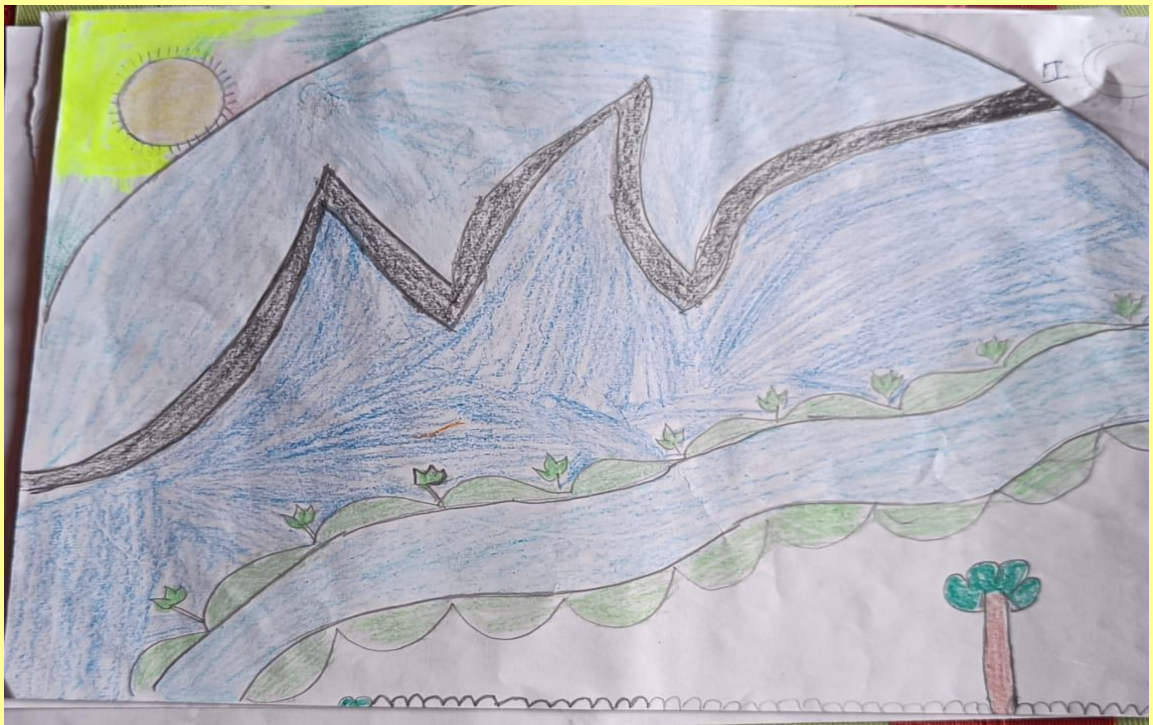
BASMATI- CLASS VII, PURV MADHYAMIK VIDYALAYA, KAKRAHWA



SATYAMI RAJPUT- CLASS VIII, PURV MADHYAMIK VIDYALAYA, KAKRAHWA



GOLMATI- CLASS VII, PURV MADYAMIK VIDYALAYA, KAKRAHWA



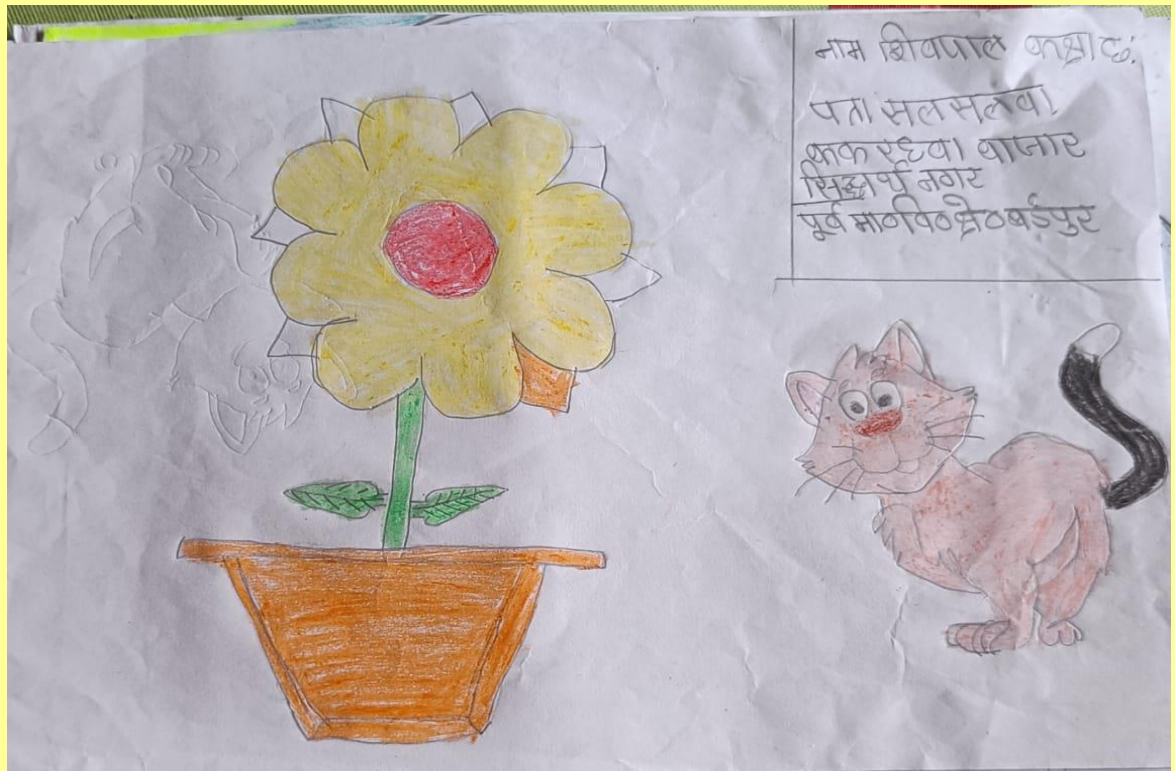
GULAB RAJPUT- CLASS VIII, PURV MADHYAMIK VIDYALAYA, KAKRAHWA



PUNEETA KUMARA —CLASS VI , PURV MADHYAMIK VIDYALAYA



KARAN RAJPUT- CLASS VI, PURV MADHYAMIK VIDYALAYA, KAKRAHWA



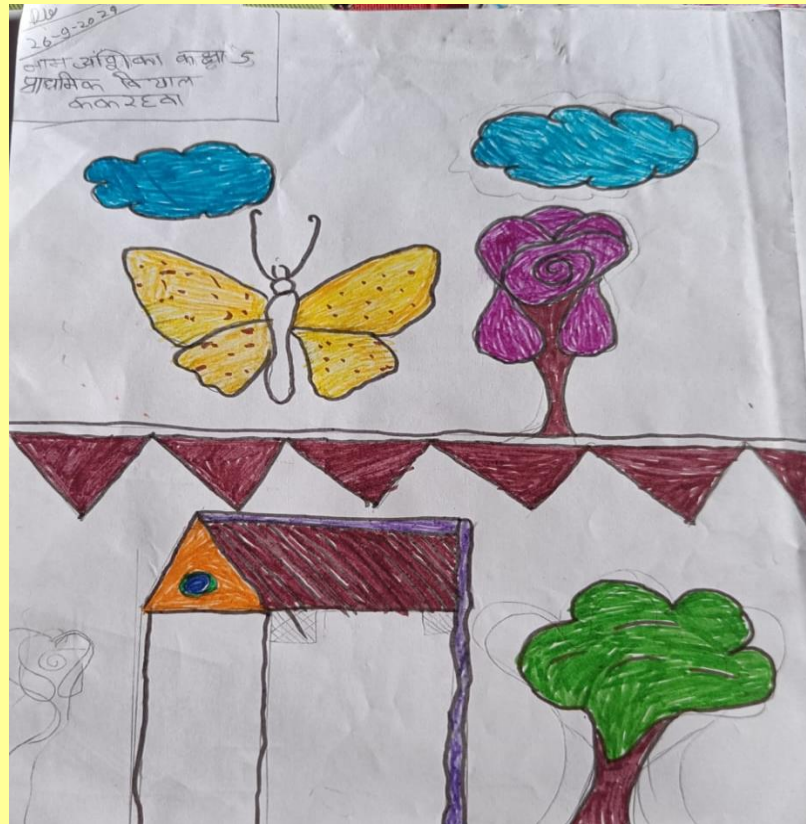
SHIVPAL —CLASS VI, PURV MADHYAMIK VIDYALAYA, BIRDPUR



RESHMI SHARMA CLASS VIII, SALSALWA



RAJ VERMA-CLASS V, PRIMARY SCHOOL PIPRAHWA



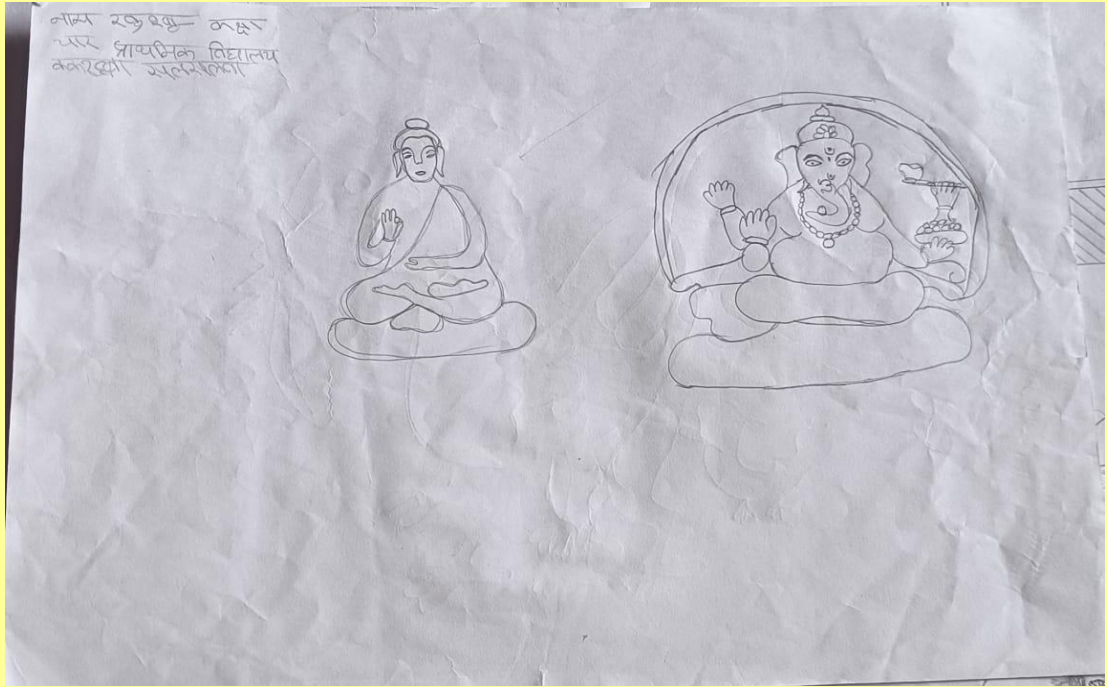
ANSHIKA CLASS V, PRIMARY SCHOOL KAKRAHWA



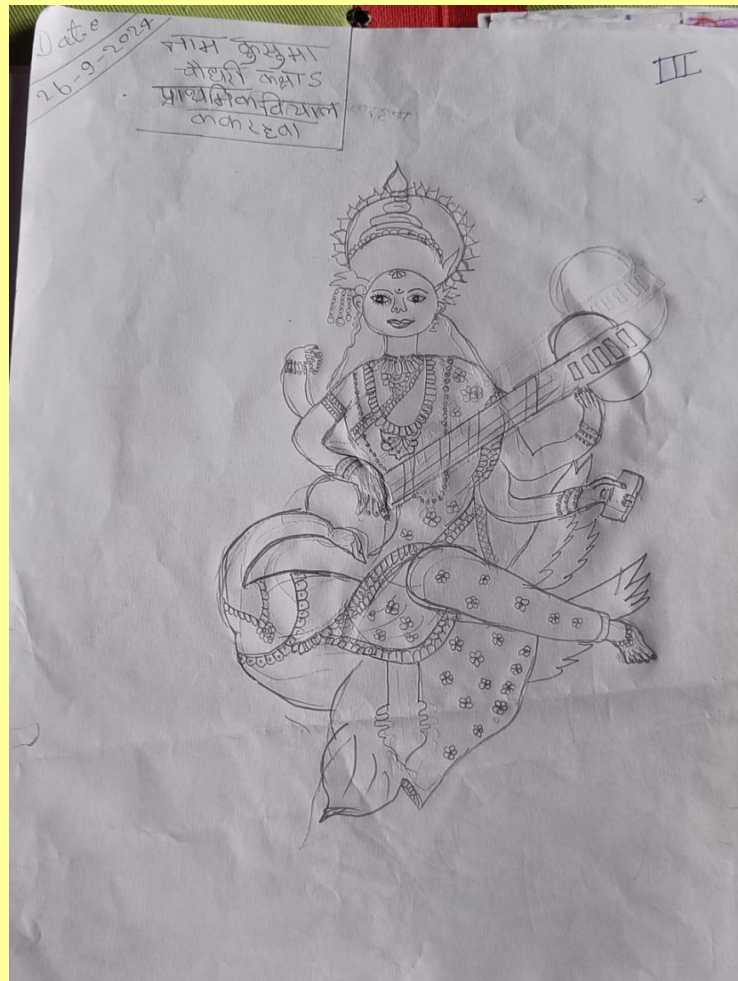
DIWALESH KANNAUIJA- CLASS V, PRIMARY SCHOOL KAKRAHWA



NANDANI CLASS IV, KAKRAHWA



KHUSHBOO- CLASS IV , PRIMARY SCHOOL, SALSALWA



KUSUMA CHAUDHARY- CLASS V, PRIMARY SCHOOL KAKRAHWA



SACHIN — CLASS V, PRIMARY SCHOOL KAKRAHWA



RAJ PRAJAPATI- CLASS V, PRIMARY SCHOOL, KAKRAHWA



RIDDHI KASUDHAN-CLASS IV PRIMARY SCHOOL BIRDPUR



VIVAN CLASS III- PRIMARY SCHOOL , ALIGADWA

STORY WRITING COMPETITION

26-9-22

MW

सती जाती रेलगाड़ी

I

Page :
Date : / /

जिया को लखनऊ से बरेली अपने मामा के घर जाना था वह अपने परिवार के साथ रेलगाड़ी का इंतजार कर रही थी। रेलगाड़ी आने में अभी 45 मिनट का समय था। जिया ने देखा लखनऊ से गोरखपुर जाने वाली रेलगाड़ी प्लेटफार्म पर रुकी हुई है। जिया की माँ ने कहा जब यह रेलगाड़ी चली जायेगी तब हमारी रेलगाड़ी आयेगी फिर जिया किताबों की दुकान पर गयी और कहानियों की किताब खरीदकर पढ़ने लगी।

नाम - रोशनी - खीरा - ककड़ी

कल खीरे से बौली ककड़ी /

कट्टू की बतिया खा गई बकरी।

खीरा बोला क्यों री ककड़ी !

देखी थी तो क्यों न पकड़ी ?

बिस्कुट टॉफी अलमारी में।

पुस्तक काँपी अलमारी में।

सभी बिलौने अलमारी में।

नाम - रोशनी कक्षा 5

फाजल रोज सोनी के लिए एक रोटी बनवती
माधव रोज सोनी को अपने गिलास में
रूख देता था। सोनी अब ठीक होने लगी थी।
वह खड़ी होकर खुद रूख पीने लगी।
दोनों मिलकर सोनी की पट्टी हर दूसरे दिन बदलते थे।
फाजल और माधव उसके घाव भी सफा करते थे।
सोनी अब काफी ठीक हो गई थी। वह
दौड़ने-भागने लगी थी। सोनी उसके फाजल और
माधव के पीछे-पीछे भागती थी। वह उसके साथ खेलती थी।
माधव को फाजल और नीचे बैठता तो सोनी उसकी गोद
में चढ़ जाती। सोनी को फाजल और माधव
को गोदों में पसंद थी। सोनी ने उनके घर का
नास्ता भी देखा लिया था। सोनी खुद ही फाजल
और माधव से मिलने आ जाती थी।
सोनी अब फाजल और माधव को दोस्त बन
गई थी। वह उसके स्कूल छोड़ने भी जाती थी।

राम सहाय बहुत तेज
साइकिल चला रहा था। वह
बजार से बजरा। हलवाई ने उसे
रोका। राम सहाय नहीं रुका।

पान वाले ने उसे रोका। राम सहाय
नहीं रुका। लोग सोच रहे थे कि
राम सहाय रुकता क्यों नहीं ?

तभी पान वाले ने देखा राम सहाय के
पिता बुरसे में आ रहे हैं।

पानवाला समझ गया राम सहाय
के पिताजी फिर नाराज हैं।

नाम राज प्रजापति

कक्षा 5

नाम शिवाजी कक्षा 7C पूछ

दुनिया में कई तरह के जीव-जन्तु हैं इनमें से बहुत से जानवरों की पूछ होती है जैसे गाय कुत्ता बंदर गिलहरी और पंजाब की। पूछ गधलियों की भी होती है।

सभी पक्षियों-मोरे तोते बगुनों भी अपनी-अपनी पूछ होती है। और तो और छिपकली और बिच्छू भी पूछ वाले जीव हैं। पूछ चाटो तो इसे दूध पेट लो अलग-अलग बनाए और

जाशीफल | पतंग और बकरी

दीदी कहती जाशीफल।	एक पतंग पट पट नीचे
मम्मी कहती सीताफल।	आई। पट बकरी के सींग में
फूफा इसको पैडा कहते।	अटक गई। बकरी भागी।
बिछू कहती कहू।	बच्चों भी उसके पीछे भागे।
टीचर कहती पंपकिन।	बच्चों के पीछे वादा भागे।
इतने सारे नाम हैं इसके।	वादा के पीछे कुत्ता भागा।
याद है खवना मुश्किल।	बकरी वादी से टकराई।

अलमारी

बिस्कुट टॉफी, अलमारी में, बुराफ पतंग उड़ गई।
कॉपी अलमारी में। सभी मिलीं अलमारी में जेश में भी होती अलमारी में।

711

नाम = विकीन्द्र गुफा
 कक्षा = आठ
 विद्यालय = पूछी माह्यमि विद्यालय ककरतारा में चढ़ सकता हूँ।

मैं पड़ा ही गया हूँ। मैं सीढ़ी चढ़ सकता हूँ। पर मैं उतर नहीं पाता। मैं कुर्सी पर चढ़ तो जाता हूँ। और फिर मेज पर भी पर मैं उतर नहीं पाता। पापा-पापा मैं पुकारता हूँ। पापा हंसते हैं। पापा हंसते हैं सोनू। अण उतरना सीख लो वे कहते हैं। मुझे डर लगता है। पर मैं रोना नहीं। धीरे धीरे मैं मेज पर से उतरता हूँ। और फिर कुर्सी से आखिर मैं नीचे उतरना भी सीख ही गया। एक अनोखा अपना हाम पृथ्वी है जिसका नाम रंग। बिरंगी धरती ऐसी हमको लगती माँ के जैसे। कुछ अजब रंगों से बनी नीले पानी से भरी वर्फिले पहाड़ों से सजी सोने से रेगिस्तानों से ढकी। हरी हरी सी चादर ओठे तरह-रस की मिट्टी इसकी कही जाली लो वही लाल जाने कल्पना है जिसकी बहुत से प्राणी रहते तरह तरह की कहानी कहते हाथी छोटे गेरे चीले अनगिनत रेंगते छोटे। हम सबका भी है थ धर ध्यान नहीं रखते हम पर। कूड़ा-कूड़ा हुआ फैलाया जंगल

एक समय की बात है अलादीन नामक एक गरीब लड़का अपनी माँ के साथ रहता था। एक दिन अलादीन का चाचा जफर उनसे मिलने आया। अपने अलादीन को अपने साथ चलने के लिए कहा। अलादीन चलने के लिए राजी हो गया रेगिस्तान पार कर वे लोग एक गुफा के पास पहुँचे। जफर ने अलादीन कहा, गुफा में जाकर हा रखा पुराना चिराग में से लिए

नाम \Rightarrow किरन शर्मा
कक्षा \Rightarrow 8
पता \Rightarrow फरसादीपुर
माता का नाम \Rightarrow श्रीमती गीता देवी
पिता का नाम \Rightarrow श्री विनेश शर्मा
विद्यालय का नाम \Rightarrow पूर्व मा० वि० ककरवा \Rightarrow

स्कूल पर निबंध है

हमारे स्कूल में पाँच कक्ष हैं और एक अंतरिक्ष कक्ष है और एक विज्ञान कक्ष है और तीन क्लास चल रही हैं पहला क्लास से लेकर 6, 7, 8 का कक्षा है इन तीनों क्लास में बच्चे पढ़ रहे हैं। इसमें तीन मानिटर भी हैं जिसमें से कक्षा आठ की बालिका तीनों क्लास चलाती है और एक रसोई घर है जिसमें तीन माताएँ भी हैं और यहाँ पे बहुत अच्छा खाना भी बनता है और हमारे ध्यापक जी हैं। ये तीनों कक्षा में पढ़ाते रहते हैं और यहाँ पे बहुत बड़ा मैदान भी है जिसमें दो फिल्ड बनायी गई है, पहला फिल्ड खो-खो का है दूसरा फिल्ड कबड्डी का है और यहाँ पे बालक और बालिका का अलग-अलग शौचालय है और यहाँ पे छात्र धुलने के लिए हैंडवाश भी रखा है और बहुत सारे टोय भी हैं और यहाँ पे दिव्यांग शौचालय भी है और एक इन्सिनिरेटर भी है और यहाँ पे दो कुड़ाघर का डेस्टबिन भी रखा है जिसमें सुखा कचरा और गीला कचरा डालते हैं \Rightarrow धन्यवाद \Rightarrow

कहानी

नाम - जानेश्वर

कक्षा - आठ

विद्यालय का नाम - पूर्व माध्यमिक ककरहवां

गिल्ली-डण्डा

1

एक दिन सब गिल्ली-डण्डा खेल रहे थे। जीत ने गिल्ली को उछाला। सब लोग उसे पकड़ने दौड़े। गिल्ली तालाब के पार चली गई। गिल्ली बबली के पास जा गिरी। बबली ने गिल्ली उठाई। बबली उसे तालाब के पार फेंकने लगी। गिल्ली तालाब में गिर गई। सब गिल्ली को लेकर परेशान हो गए। बबली को तैरना आता था। वह तालाब में कूदी और गिल्ली ले आई। सब खुशी से चिल्लाने लगे। बबली सबके साथ गिल्ली-डण्डा खेलने लगी।

मौनी

एक दिन काजल और माधव खेल रहे थे। खेलते हुए उन्हें कूंक-कूंक की आवाज सुनाई दी। काजल को वहां कौन से एक पिल्ली दिखाई दिया। पिल्ले को कई जगह चीट लगी हुई थी। माधव ने पिल्ले को प्यार से सहलाया। पिल्ले की चीट से बहुत खून बह रहा था। काजल दूध लाकर लाकर धर गई। माधव पिल्ले को प्यार से सहलाती रही। काजल और माधव ने मिलकर पिल्ले के घाव साफ किए। फिर उसके घावों पर पट्टी बांधी। माधव पिल्ले के लिए धर से सूप थोड़ा दूध लाया। उसने पिल्ले को कई सूप धीरे-धीरे दूध पिलाया। काजल और माधव रोज पिल्ले को देखने जाने लगे। उन्होंने उसका नाम मौनी रख दिया। काजल रोज मौनी के लिए एक रोटी बनाती थी। माधव रोज मौनी मौनी को अपने गिलास में दूध देता था। मौनी गांव ठीक होने लगी थी। वह खड़ी होकर कुछ दूध पीने लगी। दोनों मिलकर मौनी की पट्टी हर दूसरे दिन बदलते थे। काजल और माधव उसके घाव भी साफ करते थे। मौनी अब काफी ठीक हो गई थी। वह दौड़ने-भागने लगी थी। मौनी काजल और माधव के पीछे-पीछे भागती थी। वह उसके साथ खेलती थी। माधव नीचे बैठता तो मौनी उसकी गोदी में चढ़ जाती। मौनी को काजल और माधव की गोदी बहुत पसंद थी। मौनी ने मौनी ने उनके घर का रास्ता भी देख लिया था। मौनी खुद ही काजल और माधव से मिलने आ जाती थी। मौनी अब काजल और माधव की दोस्त बन गई थी। वह उनके स्कूल छोड़ने भी जाती थी।

फाजल रोज मीनी के लिए एक रोटी बनवती
साधव रोज मीनी को अपने बिल्ला में
दूध देता था। मीनी अब ठीक होने लगी थी।
वह खड़ी होकर खुद दूध पीने लगी।
दोनों मिलकर मीनी की पट्टी हर दूसरे दिन बदलते थे।
फाजल और साधव उसके घाव भी सफा करते थे।
मीनी अब काफी ठीक हो गई थी। वह
दौड़ने-भागने लगी थी। मीनी उसके फाजल और
साधव के पीछे-पीछे भागती थी। वह उसके साथ खेलती थी।
साधव को फाजल और नीचे बैठता तो मीनी उसकी गोद
में चढ़ जाती। मीनी को फाजल और साधव
की गोदों की पसंद थी। मीनी ने उनके घर का
रास्ता भी देखा लिया था। मीनी खुद ही फाजल
और साधव से मिलने आ जाती थी।
मीनी अब फाजल और साधव की दोस्त बन
गई थी। वह उसके स्कूल छोड़ने भी जाती थी।



THANKYOU

